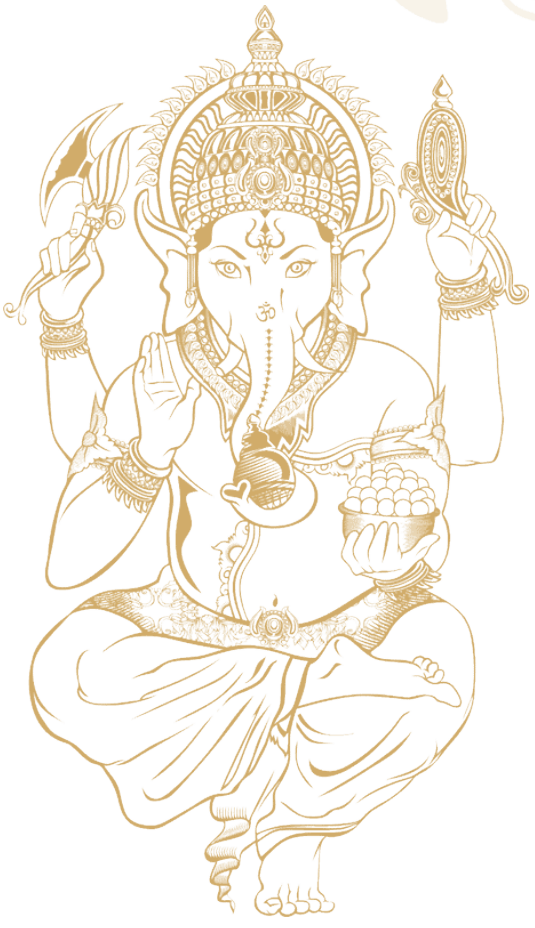

Rinisha Baheti

15 Sep 2007

09:04 AM

Ahmedabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121557707

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/09/2007**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:04:00 घंटे**
इष्ट	06:35:31 घटी
स्थान	**Ahmedabad**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:03:00 उत्तर
रेखांश	72:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:24:40 घंटे
वेलान्तर	00:04:34 घंटे
साम्पातिक काल	07:59:34 घंटे
सूर्योदय	06:25:47 घंटे
सूर्यास्त	18:43:14 घंटे
दिनमान	12:17:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:58:00 सिंह
लग्न के अंश	03:21:25 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रू-रूपा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:21:25	325:46:49	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	27:58:00	00:58:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			तुला	07:59:14	11:51:34	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	29:12:10	00:31:36	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			कन्या	20:26:08	01:23:43	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु			वृश्चि	18:12:57	00:06:39	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	23:24:37	00:14:13	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
शनि			सिंह	07:35:49	00:07:20	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	13:02:49	00:02:36	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व	अ	सिंह	13:02:49	00:02:36	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	22:31:47	00:02:23	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप	व		मक	25:50:26	00:01:19	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:21:00	00:00:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	03:50:34	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:00

लग्न-चलित

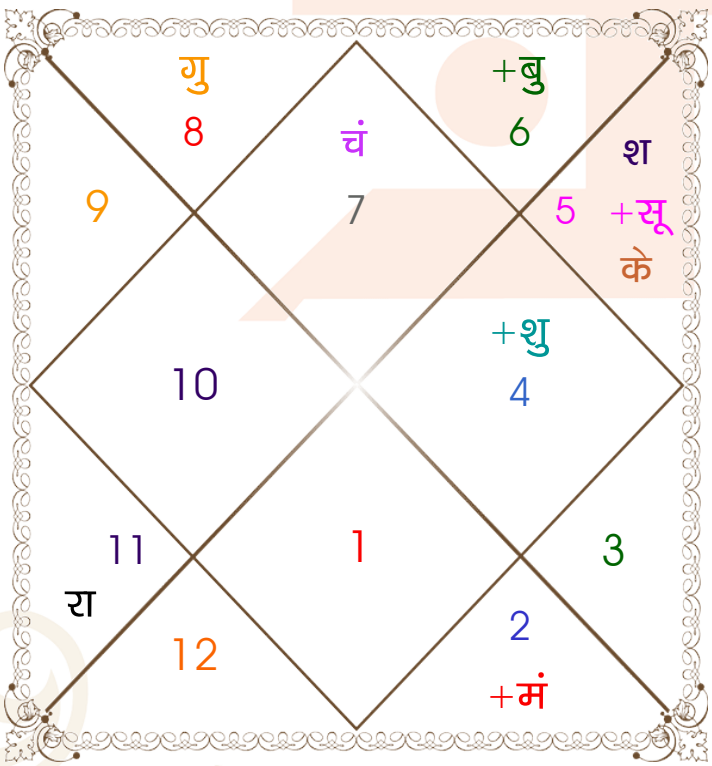

चन्द्र कुंडली

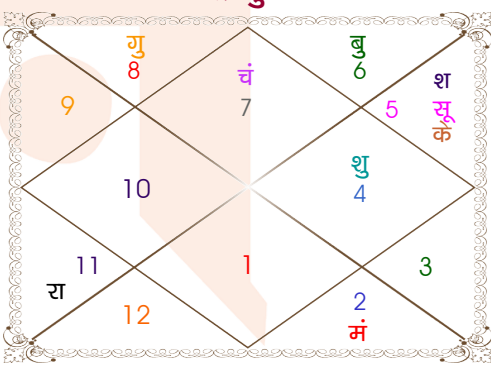

नवमांश कुंडली

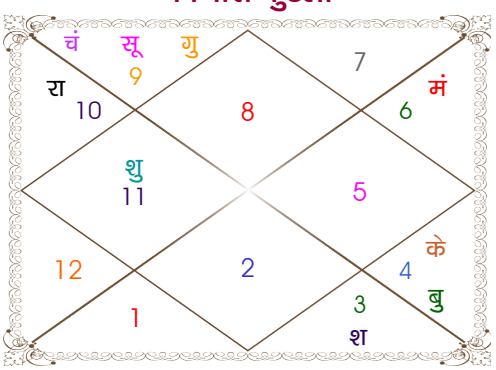

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 2 मास 18 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/09/2007		03/12/2023		03/12/2039		03/12/2058		03/12/2075	
03/12/2023		03/12/2039		03/12/2058		03/12/2075		03/12/2082	
राहु	15/08/2008	गुरु	20/01/2026	शनि	06/12/2042	बुध	01/05/2061	केतु	30/04/2076
गुरु	08/01/2011	शनि	03/08/2028	बुध	15/08/2045	केतु	28/04/2062	शुक्र	30/06/2077
शनि	14/11/2013	बुध	09/11/2030	केतु	24/09/2046	शुक्र	26/02/2065	सूर्य	05/11/2077
बुध	03/06/2016	केतु	15/10/2031	शुक्र	24/11/2049	सूर्य	02/01/2066	चंद्र	06/06/2078
केतु	21/06/2017	शुक्र	15/06/2034	सूर्य	06/11/2050	चंद्र	04/06/2067	मंगल	02/11/2078
शुक्र	21/06/2020	सूर्य	04/04/2035	चंद्र	06/06/2052	मंगल	31/05/2068	राहु	21/11/2079
सूर्य	16/05/2021	चंद्र	03/08/2036	मंगल	16/07/2053	राहु	18/12/2070	गुरु	27/10/2080
चंद्र	15/11/2022	मंगल	10/07/2037	राहु	22/05/2056	गुरु	25/03/2073	शनि	06/12/2081
मंगल	03/12/2023	राहु	03/12/2039	गुरु	03/12/2058	शनि	03/12/2075	बुध	03/12/2082

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/12/2082		04/12/2102		03/12/2108		04/12/2118		04/12/2125	
04/12/2102		03/12/2108		04/12/2118		04/12/2125		00/00/0000	
शुक्र	03/04/2086	सूर्य	23/03/2103	चंद्र	04/10/2109	मंगल	02/05/2119	राहु	16/09/2127
सूर्य	04/04/2087	चंद्र	22/09/2103	मंगल	05/05/2110	राहु	20/05/2120		00/00/0000
चंद्र	02/12/2088	मंगल	28/01/2104	राहु	04/11/2111	गुरु	25/04/2121		00/00/0000
मंगल	02/02/2090	राहु	22/12/2104	गुरु	05/03/2113	शनि	04/06/2122		00/00/0000
राहु	01/02/2093	गुरु	10/10/2105	शनि	04/10/2114	बुध	02/06/2123		00/00/0000
गुरु	03/10/2095	शनि	22/09/2106	बुध	04/03/2116	केतु	29/10/2123		00/00/0000
शनि	03/12/2098	बुध	29/07/2107	केतु	04/10/2116	शुक्र	28/12/2124		00/00/0000
बुध	04/10/2101	केतु	04/12/2107	शुक्र	04/06/2118	सूर्य	05/05/2125		00/00/0000
केतु	04/12/2102	शुक्र	03/12/2108	सूर्य	04/12/2118	चंद्र	04/12/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 2 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।